

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

भारत के आत्मनिर्भरता की ओर दृढ़ कदम

वैश्वीकरण का गति देने के लिए रक्षा उत्पादन को गति देने के लिए सरकार ने 'मेक इन इंडिया' और 'डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' जैसी योजनाओं की शुरुआत की. उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में स्थापित कॉरिडोर अब धीरे-धीरे रक्षा उद्योग का केंद्र बन रहे हैं. छोटे और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) से लेकर बड़े औद्योगिक घरानों तक, सभी इस क्षेत्र में भागीदारी कर रहे हैं. निजी क्षेत्र की मौजूदगी ने पारंपरिक रक्षा उत्पादन मॉडल को नया आयाम दिया है. टाटा, एलएंडटी, महिंद्रा और अदानी जैसे समूह अब रक्षा उपकरण निर्माण और निर्यात में सक्रिय हो चुके हैं. सरकारी कंपनियों का पुनर्गठन भी उल्लेखनीय है. हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसे सार्वजनिक उपक्रम अब आधुनिक तकनीक के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उतर रहे हैं. ड्रोन, मिसाइल, तोप और हल्के टैंक जैसे उत्पादों का स्वदेशीकरण रक्षा निर्यात को नई ऊंचाई दे रहा है. आज भारत 85 से अधिक देशों को रक्षा उपकरण निर्यात कर रहा है और यह आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है. सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक रहा है. लेकिन अब परिदृश्य बदल रहा है. आयात पर निर्भरता घटाने और निर्यात बढ़ाने का लक्ष्य 'डिफेंस एक्सपोर्ट्स 2047 विज़न' के माध्यम से स्पष्ट किया गया है. हाल ही में अमेरिका,

अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में भारतीय हथियारों की बढ़ती मांग इसी दिशा का संकेत है.

फिर भी चुनौतियाँ मौजूद हैं. अनुसंधान एवं विकास पर पर्याप्त निवेश, तकनीकी हस्तांतरण की सीमाएँ और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसी बाधाएँ सामने आती हैं. इसके बावजूद, यदि नीति निर्धारण और क्रियान्वयन में निरंतरता बनी रही तो भारत अगले दो दशकों में रक्षा उत्पादन का वैश्विक केंद्र बन सकता है.

'अनंत शस्त्र' जैसे सफल परीक्षण हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि आत्मनिर्भर भारत का सपना केवल नारा नहीं, बल्कि वास्तविकता में बदल रहा है. स्वदेशी रक्षा उत्पादन न केवल भारत की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा बल्कि उसे वैश्विक हथियार बाज़ार में भी सशक्त बनाएगा.

महाकौशल की डायरी

भाजपा ग्रामीण कार्यकारिणी में सांसद की पैठ का दिखा असर



अविनाश दीक्षित

जिस प्रकार नगर कांग्रेस कमेटी ने ग्रामीण में हार का स्वाद चखकर अनुभव ले चुके संजय यादव को अध्यक्ष बनाकर दांव खेला था, ठीक उसी को आगे बढ़ाते हुए भारतीय जनता



पार्टी ने जिला ग्रामीण की कार्यकारिणी में 80 फीसदी ऐसे पुराने चेहरों पर दांव खेला है जो पहले संगठन में जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. नई सूची जारी होते ही भाजपा ग्रामीण के उन नेताओं के खेमे में मायूसी नजर आई जो संगठन में किसी न किसी पद को आस लेकर बैठे थे. उधर पार्टी के कुछ दिग्गज नेता, विधायकों के समर्थकों में भी नाराजगी देखी गई.. वजह जिला ग्रामीण में उन्हें पद नहीं मिला. राजनैतिक जानकारों की माने तो भाजपा ग्रामीण की कार्यकारिणी की जारी सूची में सांसद आशीष दुबे की पकड़ बिल्कुल साफ नजर आई है क्योंकि अधिकांश नवनिर्वाचित पदाधिकारी इनसे जुड़े माने जा रहे हैं, इनमें उपाध्यक्ष, जिला महामंत्री के पद शामिल हैं.

वहीं भाजपा विधायकों के चहेतों को छोटे पदों के साथ सीमित स्थान दिया गया है, ऐसे में चर्चा होने लगी है कि विधायकों के चहेतों

को तकज्जो न मिलने से आगामी समय में भाजपा को नुकसान उठाना पड़ सकता है. कार्यकारिणी में भाजपा ग्रामीण अध्यक्ष के चहेते, विधायक अजय विश्वासी, सुशील इंदु तिवारी, संतोष बरकड़े, नीरज सिंह लोधी के समर्थकों को सीमित स्थान दिया गया है. भाजपा ग्रामीण की नई कार्यकारिणी के ऐलान के बाद राजनैतिक गलियारों में चर्चाएं तेज हैं कि संगठन में सांसद की पकड़ लगातार मजबूत होती जा रही है, जबकि विधायकों को छोटे पदों से ही संतोष करना पड़ रहा है. गौरतलब है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति के बाद भाजपा जिला ग्रामीण की कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें 21 चेहरों को स्थान दिया गया है. इनमें 7 उपाध्यक्ष, 2 महामंत्री और 8 जिला मंत्री शामिल हैं. वहीं लोक निर्माण मंत्री राकेशसिंह के करीबी पुष्पराज सिंह बघेल को कार्यकारिणी में शामिल किया गया है.

आरडीवीवी में कर्मचारी संघ में दो फाड़

नैक द्वारा प्रदत्त ए ग्रेड की रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय इन दिनों कर्मचारी संघ के हुए दो टुकड़ों की वजह से सुर्खियों में आ चुकी है. ये संभवतः पहली बार हुआ है जब आरडीवीवी में कर्मचारी संघ में दो फाड़ आ गए हैं. आलम यह है कि कर्मचारी संघ से जुड़े एक कर्मचारियों के समूह ने हड़ताल समाप्त कर दी है तो वहीं दूसरी ओर कर्मचारी संघ के दूसरे गुट ने हड़ताल जारी रखने का फैसला लिया है. आरडीवीवी परिसर में चर्चाएं हैं कि कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह पटेल द्वारा कर्मचारियों को विश्वास में लिए बिना आरडीवीवी प्रशासन को आंदोलन स्थगित करने के संबंध में पत्र सौंप दिया गया. बस फिर क्या था अध्यक्ष के इस फैसले का कर्मचारी संघ के अन्य कर्मचारियों ने विरोध कर दिया और फिर विधि के मुख्य प्रशासनिक भवन के सामने कर्मचारियों और पेंशनर्स की आमसभा बुलाकर निर्णय सुना दिया कि बीते 18 दिनों से चल रहे आंदोलन को समाप्त नहीं किया जाएगा. विरोध कर हड़ताल को जारी रखने में कर्मचारी संघ के महासचिव, कार्यकारिणी के अधिकांश सदस्य शामिल हैं. इस तरह कर्मचारियों ने कर्मचारी संघ के पत्र को अमान्य घोषित कर दिया जो अध्यक्ष ने हड़ताल समाप्त करने जारी किया था. उधर विश्वविद्यालय के 14 सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण तैयार हो चुके हैं जिन्हें खुद कुलसचिव डॉ. आरके बघेल शुरूवार को लेकर भोपाल रवाना हुए. फिलहाल संघ में चल रही आपसी खटार पटर का फायदा विश्वविद्यालय प्रशासन को मिलता नजर आ रहा है.



आलम यह है कि कर्मचारी संघ से जुड़े एक कर्मचारियों के समूह ने हड़ताल समाप्त कर दी है तो वहीं दूसरी ओर कर्मचारी संघ के दूसरे गुट ने हड़ताल जारी रखने का फैसला लिया है. आरडीवीवी परिसर में चर्चाएं हैं कि कर्मचारी संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह पटेल द्वारा कर्मचारियों को विश्वास में लिए बिना आरडीवीवी प्रशासन को आंदोलन स्थगित करने के संबंध में पत्र सौंप दिया गया. बस फिर क्या था अध्यक्ष के इस फैसले का कर्मचारी संघ के अन्य कर्मचारियों ने विरोध कर दिया और फिर विधि के मुख्य प्रशासनिक भवन के सामने कर्मचारियों और पेंशनर्स की आमसभा बुलाकर निर्णय सुना दिया कि बीते 18 दिनों से चल रहे आंदोलन को समाप्त नहीं किया जाएगा. विरोध कर हड़ताल को जारी रखने में कर्मचारी संघ के महासचिव, कार्यकारिणी के अधिकांश सदस्य शामिल हैं. इस तरह कर्मचारियों ने कर्मचारी संघ के पत्र को अमान्य घोषित कर दिया जो अध्यक्ष ने हड़ताल समाप्त करने जारी किया था. उधर विश्वविद्यालय के 14 सेवानिवृत्त कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण तैयार हो चुके हैं जिन्हें खुद कुलसचिव डॉ. आरके बघेल शुरूवार को लेकर भोपाल रवाना हुए. फिलहाल संघ में चल रही आपसी खटार पटर का फायदा विश्वविद्यालय प्रशासन को मिलता नजर आ रहा है.

लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हैं.

मोदी बेमिसाल नेता-कार्यकुशल कर्मयोगी



हरदीप एस पुरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की करिश्माई उपस्थिति और संगठनात्मक नेतृत्व की भरपूर प्रशंसा की गई है, लेकिन जिस बात को कम ही लोग जानते हैं और समझते हैं, वह यह

है कि उनकी कठोर पेशेवर प्रतिबद्धता ही उनके काम की विशेषता है. गुजरात के मुख्यमंत्री और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में पिछले दशकों में उनकी कार्यशैली में निरंतर पेशेवर नैतिकता विकसित हुई है.

जो बात उन्हें औरों से अलग बनाती है, वह प्रदर्शन की प्रतिभा नहीं, बल्कि ऐसा अनुशासन है, जो विजय को टिकाऊ प्रणालियों में तब्दील करता है. भारतीय मुहावरे में कहा जाए, तो वह कर्मयोगी हैं-कर्तव्य पर आधारित ऐसा कर्म, जिसका आकलन जमीनी स्तर पर आए बदलाव से होता है.

यही नैतिकता इस वर्ष लाल किले से उनके स्वतंत्रता दिवस के संबोधन का आधार रही. उनके इस भाषण में उपलब्धियों का लेखा-जोखा कम और मिल-जुलकर कार्य करने का चार्ज ज्यादा प्रस्तुत किया गया- नागरिकों, वैज्ञानिकों, स्टार्ट-अप

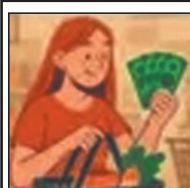
असम के नुमालीगढ़ में भारत के पहले बांस-आधारित 2जी इथेनॉल संयंत्र के शुभारंभ के दौरान मुझे एक बार फिर इसका साक्षी बनने का सौभाग्य मिला. इंजीनियरों, किसानों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ खड़े होकर, प्रधानमंत्री ने सीधे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रश्न पूछे - किसानों को भुगतान उसी दिन कैसे प्राप्त होगा; क्या आनुवंशिक इंजीनियरिंग से ऐसा बांस तैयार किया जा सकता है, जो तेजी से बढ़ता है और गांठों के बीच बांस के तने की लंबाई बढ़ाता है; क्या महत्वपूर्ण एंजाइमों का स्वदेशीकरण किया जा सकता है; क्या बांस के हर घटक - तना, पत्ती, अवशेष का इथेनॉल से लेकर क्यूरकुरल और ग्रीन एसिटिक एसिड तक - आर्थिक उपयोग किया जा रहा है, चर्चा केवल तकनीक तक ही सीमित नहीं थी. यह लॉजिस्टिक्स, आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन और वैश्विक कार्बन फुटप्रिंट तक व्याप्त रही. अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में भाग लेने वाले व्यक्ति के रूप में, मैंने इस पद्धति को तुरंत पहचान लिया- संक्षिप्त विवरण की स्पष्टता, विवरण में सटीकता और इस बात पर जोर कि कितना में खड़ा अंतिम व्यक्ति पहला लाभार्थी होना चाहिए.

आम नागरिक या छोटा व्यापारी इस बदलाव को जल्दी महसूस कर पाएगा या नहीं. यह स्वाभाविक प्रवृत्ति उस सहकारी संघवाद को प्रतिध्वनित करती है, जिसने जीएसटी परिषद का मार्गदर्शन किया है- राज्य और केंद्र गहन विचार-विमर्श करते हैं, लेकिन सभी एक ऐसे प्रणाली के भीतर काम करते हैं जो स्थिर रहने के बजाय परिस्थितियों के अनुकूल ढल जाती हैं. नीति को एक जीवंत साधन माना जाता है, जो कागज पर समरूपता के लिए संरक्षित एक स्मारक के रूप में न रहकर अर्थव्यवस्था की लय के अनुरूप ढाली गई है.

यही वह व्यावसायिक दृष्टिकोण है, जो अमेरिका से वापसी की 15 घंटे की लंबी उड़ान के बाद देर रात बिना किसी सूचना के निर्माणधीन नए संसद भवन के गेट पर पहुंचने की बात को समझता है.

यह बचतोत्सव है या खर्चात्सव !

विहार का चुनाव सामने है और बाग-बाग है बीजेपी! जीएसटी की दरें कम करने के अलावा स्लेब 4 से घटकर 2 कर दी गई है. प्रधानमंत्री ने दिवाली पर खुशखबर देने का वादा किया था लेकिन नवरात्रोत्सव में ही यह कदम उठाते हुये देशवासियों को बचतोत्सव का संदेश दिया है. यदि यह बचत का उत्सव है तो लोग बैंक जाकर रिकरिंग डिपॉजिट या फिक्स डिपॉजिट में रकम जमा कराने जाएं, डाकघर बचत बैंक में नया खाता खोलें लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है. जनता को संदेश है कि जीएसटी में राहत को वह अपनी बहुत बड़ी बचत समझे और पूरी तबियत से बचतोत्सव का जश्न मनाए. 10 रुपये वाला बिरिचट का पैकेट 9 रुपये का हो गया इसलिये भरपूर बिरिचट खाओ, नमो के गुण गाओ! कार और टूथब्रश के दाम में जीएसटी रियायत मिल गई तो घर में क्यों बैठें हो. सीधे शोरूम जाओ और मनपसंद गाड़ी ले आओ. दोनों हाथ से खर्च करो और बोलो कि बचतोत्सव मना रहे हैं. यह बचतोत्सव बिजनेस को बढ़ावा देने के लिये है. ज्यादा क्लिंकी होगी तो प्रोडक्शन भी ज्यादा करना होगा. मैनुफैक्चरिंग अधिक हुई तो उद्योग व्यवसाय में बूम आ जाएगा. बूम का मतलब है कि जबरदस्त तेजी या उठाव! मुंबईया भाषा में कहते हैं- काय को



जब 28 प्रतिशत तक जीएसटी वसूल किया गया तब रहम नहीं आया. लाखों छोटे व्यापारियों की पीड़ा नहीं समझी गई. पहले 8 वर्षों तक बेरहमी से गबबरसिंह टैक्स का हंटर मारते रहे. अब महरम लगा रहे हैं. जुल्म के बाद मेहरबानी, यही है राजनीति की निशानी पिछली बातों को लेकर मत करो तकरार क्योंकि अब आया है ऐतिहासिक सुधार !

खाली पीली बोम मारता? अब वहां के लोग भी झूम कर बाजार में आई बूम का स्वागत करेंगे. छिद्रावन्धी या दोष निकालनेवाले कहेंगे कि यह उत्सव है अथवा 2017 में की गई गलती का परिमार्जन या सुधार? जब 28 प्रतिशत तक जीएसटी वसूल किया गया तब रहम नहीं आया. लाखों छोटे व्यापारियों की पीड़ा नहीं समझी गई. पहले 8 वर्षों तक बेरहमी से गबबरसिंह टैक्स का हंटर मारते रहे. अब महरम लगा रहे हैं.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12035 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4
	5		6 7
8		9	
10		11	
12	13		
	14	15	16
17			18
19			20

(उर्दू)
ऊपर से नीचे
1. ठंडी सांस, बेदना क्लेश शोक आदि का सूचक उद्‌गार 2. दमन किया हुआ (सं.) 3. राय, सम्मति, वोट 4. गिलोरी, संकल्प 6. पलकों का खुलना और बंद होना 7. गंदे पानी की निकासी का मार्ग (अं.) 8. पूजा करने वाला 9. संपत्ति, धन, दौलत 10. नमूना 11. पुरव (सं.) 13. भींगा हुआ, तर सना हुआ 14. अनाथ (उर्दू) 15. हिम्मत, हौसला 16. सहायता (उर्दू) 17. स्वयं, खुद

बाएं से दाएं
1. आनंदपूर्ण, आनंद से भरा हुआ 5. अल्प, थोड़ा (सं.) 6. कलह, तकरार, लड़ाई 8. पुत्र 9. निरा, एकदम 10. प्रसिद्ध शिकारी पक्षी 11. किसी व्यक्ति को आदेश आदि देने का अधिकार देना (सं.) 12. नकल करने वाला 15. चार वेदों में से तीसरा वेद 17. अपने ऊपर बीतने या गुजरने वाली घटना अथवा बात 18. सीमा, मर्यादा 19. कसम, सांघंध 20. अभिप्राय, मनोरथ

Solution 12034

भू	क्रि	प	न	क्र
या	क्र	व्य	सू	ख
स	दा	न	क्रि	रा
र	ज	नी	ग	धा
भू	सा	स	धा	प
श	ती	क्र	न	रि
सा	घ	ठ	क्र	पा
श	क्रि	न	क्र	र

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में आर्थिक सहयोग मिलेगा, शिक्षा के क्षेत्र में यात्रा होगी, वर्ष के मध्य में सामाजिक कार्यों में मन खिन्न रहेगा, व्यापार में व्यर्थ की भागदौड़ एवं व्यय में वृद्धि होगी, मित्र के कारण तनाव रहेगा, वर्ष के अंत में प्रतिष्ठा एवं यश में वृद्धि होगी, घरेलू कार्यों में व्यस्तता रहेगी, व्यय में नियंत्रण रखें।
मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक तनाव रह सकता है, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को

कर्मचारियों के सहयोग से कार्यों में सफलता मिलेगी, चिन्ता का निवारण होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को आर्थिक कमी का अनुभव होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को पूर्व निर्धारित कार्यों में सफलता मिलेगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को नौकरी में सफलता, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को शिक्षा अच्छी रहेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को धार्मिक यात्रा के योग हैं.

मेघ- वाहन चलाने समय सावधानी रखें. नये समीकरण सामने आयेंगे. अत्याधिक विश्वास कष्टप्रद हो सकता है. पद प्रतिष्ठा को प्राप्ति होगी.
वृषभ- किसी परम मित्र का सहयोगवना रहेगा. पैसा प्राप्त होगा. ऐसा कोई कार्य न करें, जो आपके लिये नुकसानदायक हो. सूख शांति रहेगी.
मिथुन-आर्थिक क्षेत्र में प्रगति होगी. अधिकारी वर्ग सहयोग करेंगे. पारिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी. कामकाज में लगन और निष्ठा बनी रहेगी.
कर्क-स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. लापरवाही करने पर स्वास्थ्यक कष्ट होगा. आतः खान पान के प्रति उचित ध्यान देना हितकर रहेगा.

सिंह- उत्साह में कमी रहने से कोई महत्वपूर्ण कार्य अधूरा रह सकता है. धार्मिक रूचि रहेगी. कामकाज बनने का योग बजल है. साहस संयम रखें.
कन्या- भावनात्मक स्थितियों से बचने का प्रयास करें अन्यथा कोई कार्य न करें, जो आपके लिये परेशानी आ सकता है. परिश्रम एवं भागदौड़ अधिक होगी. यात्रा संभाव्य है.
तुला- रहन सहन के स्तर में सुधार होगा. पारिवारिक सुख एवं सहयोग बना रहेगा. निजी पुरूषार्थ बना रहेगा. दूरगामी परिणाम सामने आयेगा.
वृश्चिक- पारिवारिक मान सम्मान प्राप्त होगा. सुख संतोष बना रहेगा. अनावश्यक विवादों को न बढ़ायें. यश प्राप्त होने का योग है.

आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया वालक शरीर से दुबला पतला किन्तु पुर्तिले स्वाभाव का होगा. स्वास्थ्य बचपन में कुछ नरम गरम रहेगा. बाद में स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. किसी नये ढंग की तकनीकी शिक्षा प्राप्त करेगा. माता पिता का भक्त होगा.

धनु- व्यवसायिक कार्य में प्रगति होगी. पत्राचार करते समय सावधानी रखें. निजी पुरूषार्थ रहेगा. जमीन जायजाद से लाभ प्राप्त होने का योग है.
मकर- अतिथि स्त्कार होगा. व्ययभार बढ़ेगा. धार्मिक आयोजन होगा. मार्गालिक कार्यों में शुभ परिणाम सामने आयेगे. यश मान प्रतिष्ठा प्राप्त होगी.
कुम्भ- व्यापार व्यवसाय में सफलता मिलेगी. पारिवारिक सुख साधन बढ़ेंगे. आर्थिक कार्यों में चल रहा प्रयास सार्थक होगा. रोगी की चिन्ता होगी.
मीन- आर्थिक मामलों में किसी प्रकार का जोखिम न उठायें. आवेश से बचने का प्रयास करें. पारिवारिक जवाबदारी आपको उपर आ सकती है.

उदयकालीन ग्रह हाल

9	8	के.7 सू. च. वृ.	6	5
	10	श.	4	
11	12	रा.	2	3

पंचांग

रा.मि. 07 संवत् 2082 आश्विन शुक्ल सप्तमी चन्द्रवासेर दिन 12/26, मूल नक्षत्रे रात 3/33, सौभाग्य योगे रात 11/36, वणिज करणे सू.उ. 6/4, सू.अ. 5/56, चन्द्रचार धनु.शु.रा.9,11,12,3,5,7 अ.रा. 10,1,2,4,6,8 शुभांक-2,4,8.

त्यापार भविष्य

आश्विन शुक्ल सप्तमी को मूल नक्षत्र के प्रभाव से रूई, में तेजी होगी. चना में मंदी की चाल रहेगी. गुड़ खांड, हॉग, लालमिर्च, सरसों तिल, आदि का रूख रहेगा. शेष वस्तुओं में बाद की चाल चलेगी. भाग्यांक 4973 है.

SUDOKU 7167

9		4			7
			7	9	
8					
4	5	8			
3			1		2
				9	7
	3	5			4
2		6			8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. पहले का केवल एक ही हल है.

जबलपुर सू.दुकू 7166

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5